Dainik Bhaskar (Indore), 04th November 2023, Page - 07

आईआईटी में अंतरराष्ट्रीय संरचनाएं विषय पर सेमिनार

देश-विदेश के 25 से अधिक डीन हुए शामिल

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर ने जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) के सहयोग से 'भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतरराष्ट्रीयकरण-संरचनाएं और सेवाएं' विषय पर दो दिनी कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों और जर्मन विश्वविद्यालय के बीच सहयोग की कार्यप्रणालियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करना था।

भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी और जर्मन कॉन्सुलेट, मुंबई की डिप्टी कॉन्सुल जनरल मार्जा-सिर्खा इनिग ने किया। यह शिक्षा संस्थानों के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए जर्मन व भारतीय रणनीतियों, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, वैश्विक नेटवर्क को बढ़ावा देने में अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों की भूमिका पर केंद्रित थी। जर्मनी में उपलब्ध फाइनेंस व अनुसंधान के अवसरों पर भी चर्चा की गई।

स्टूडेंट एक्सचेंज को बढ़ावा देना है

कार्यक्रम में देश के 25 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों के डीन और अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों के प्रमुख शामिल हुए। आयोजन डीएएडी क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली की निदेशक डॉ. काटजा लैश, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. शिखा सिन्हा और आईआईटी इंदौर के अंतरराष्ट्रीय संबंध के डीन प्रो. अविनाश सोनावणे ने किया। कार्यशाला में एचटीडब्ल्यू ड्रेसडेन विवि से जर्मन विशेषज्ञ जूलियन टेरपे, लिपजिग विवि से कैथरीना पिंगेल उपस्थित थीं। डीएएडी जर्मन उच्च शिक्षा संस्थानों का ऐसा संगठन है जो दुनियाभर से फैकल्टी और स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रमों को वित्त पोषण प्रदान कर शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है।